रोपवे से जुड़ेगा कार्तकि स्वामी मंदरि

चर्चा में क्यों?

20 अगस्त, 2023 को उत्तराखंड के पर्यटन सचवि सचनि कुर्वे ने बताया कि कार्तकि स्वामी मंदरि तक सरल व सुलभ पहुँच के लयि रोपवे का नरि्माण कयिा जाएगा, जसिके लयि प्री-फजिबिलिटी सर्वे हो चुका है। कार्तकि स्वामी के पैदल मार्ग में भी सुवधिाएँ जुटाई जाएंगी।

प्रमुख बदिु

- वदिति है कि उत्तर भारत में भगवान कार्तकिेय का एकमात्र मंदरि रुद्रप्रयाग जनपद के क्रौंच पर्वत पर स्थति है, जसि कार्तकि स्वामी कहा जाता है। इस मंदरि तक श्रद्धालुओं की पहुँच को आसान बनाने के लयि इसे रोपवे से जोड़ा जाएगा।
- मंदरि के बेस पॉइंट कनकचौरी से कार्तकि स्वामी तक 1.4 कमिी लंबा रोपवे बनेगा, जसिके लयि प्री-फजिबिलिटी सर्वेक्षण भी हो चुका है। अधकिारयिों के अनुसार आगामी सतिंबर तक रोपवे नरि्माण की अंतमि डीपीआर भी बन जाएगी।
- जनपद चमोली और रुद्रप्रयाग के 360 से अधकि गाँवों के आराध्य के रूप में पूजनीय भगवान कार्तकिेय के दर्शनों के लयि वर्षभर श्रद्धालु कार्तकि स्वामी मंदरि पहुँचते हैं। मंदरि पहुँचने के लयि श्रद्धालुओं को कनचौरी से लगभग चार कमिी. की चढ़ाई तय करनी होती है, लेकनि अब मंदरि को रोपवे से जोड़ने की कार्ययोजना बन चुकी है।
- कनकचौरी से मंदरि तक बनने वाले रोपवे की लंबाई 1.4 कमिी होगी। रोपवे बनने से कनकचौरी से 10 मनिट में ही कार्तकि स्वामी मंदरि पहुँचा जा सकेगा।
- कार्तकि स्वामी मंदरि समतिि के अध्यक्ष शत्रुघन सहि नेगी ने बताया कि मंदरि तक सुवधिाएँ उपलब्ध होने से तीर्थाटन के साथ रोज़गार को बढ़ावा मलिेगा।
- भगवान कार्तकिेय के मंदरि कार्तकि स्वामी की यात्रा को सरल-सुलभ बनाने के लयि चंद्रापुरी-बाजबड्डू-कार्तकि स्वामी 10 कमिी. सड़क भी स्वीकृत हो चुकी है। लोक नरि्माण वभिाग ऊखीमठ डवीज़िन द्वारा जल्द ही मार्ग का सर्वेक्षण कयिा जाएगा।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kartik-swami-temple-to-be-connected-by-ropeway